TITLE: Hampi (Vijayanagara) - The Ruin of the Golden Empire

SUBJECT: Battle of Talikota (Rakshasi-Tangadi) - 23 January 1565

AUTHOR & RESEARCHER: Govind Malviya (REAL HI STORY)

PUBLICATION DATE: September 02, 2026

CLASSIFICATION: Medieval Indian History / Military History / Genocide Analysis

हम्पी (विजयनगर): दुनिया का सबसे अमीर शहर कैसे बना श्मशान?

तालीकोटा (राक्षसी-तंगड़ी) के युद्ध की खौफनाक ऐतिहासिक दास्तान

23 जनवरी 1565 का दिन भारतीय इतिहास का वह काला पन्ना है, जब दुनिया की सबसे समृद्ध, कलात्मक और आर्थिक रूप से अजेय सभ्यता–विजयनगर साम्राज्य–का नामोनिशान मिटा दिया गया। यह केवल दो सेनाओं के बीच लड़ा गया एक सामान्य युद्ध नहीं था; यह एक सोची-समझी क्रूरता, अंदरूनी गद्दारी और मानवता के इतिहास का सबसे वीभत्स नरसंहार था।

समकालीन फ़ारसी इतिहासकार मुहम्मद कासिम फ़रिश्ता (तारीख-ए-फ़रिश्ता), इतालवी यात्री सीज़र फ्रेडरिक (1567) और ब्रिटिश इतिहासकार रॉबर्ट सीवेल (A Forgotten Empire) के ऐतिहासिक दस्तावेजों में इस महाविनाश का एक-एक सच दर्ज है।

1. युद्ध की पृष्ठभूमि और सुल्तानों का महासंघ:

16वीं शताब्दी में विजयनगर की राजधानी हम्पी समृद्धि के शिखर पर थी। पुर्तगाली यात्रियों के अनुसार, यहाँ बाज़ारों में हीरे-जवाहरात और सोने-चांदी सड़कों पर अनाज की तरह बिकते थे। साम्राज्य का संचालन 80 वर्ष से अधिक उम्र के सेनापति और

वास्तविक शासक राम राय कर रहे थे।

राम राय ने दक्कन की सल्तनतों को आपस में लड़ाकर विजयनगर का वर्चस्व बनाए रखा। लेकिन जब सुल्तानों को इसका अहसास हुआ, तो उन्होंने आपस में मिलकर चार सुल्तानों का एक विशाल महासंघ (Grand Alliance) बनाया:

- अहमदनगर: हुसैन निज़ाम शाह प्रथम (महासंघ का नेता)
- बीजापुर: अली आदिल शाह प्रथम (80,000 घुड़सवार)
- गोलकोंडा: इब्राहिम कुली कुतुब शाह (तोपखाना व पैदल सेना)
- बीदर: अली बरीद शाह प्रथम (मध्य पंक्ति रक्षा)

23 जनवरी 1565 को कृष्णा नदी के पास 'राक्षसगी' और 'तंगड़गी' गांवों के बीच युद्ध हुआ।

2. तांबे की बारिश और ऐतिहासिक गद्दारी:

युद्ध में विजयनगर की 5 लाख की सेना हावी हो रही थी, लेकिन दो भयानक मोड़ आए:

- तांबे की बारिश (Shrapnel Warfare): अहमदनगर के तोपची चलबी रूमी खान ने 600 तोपों को ज़ंजीरों से बांधकर, उनमें तांबे के सिक्कों और छर्रों से भरे थैले दागे, जिससे हजारों सैनिकों के चीथड़े उड़ गए।
- गिलानी भाइयों का धोखा: विजयनगर सेना के दो मुस्लिम सेनापति (सरवर खान व संजीव खान - गिलानी बंधु) अपनी 50,000 की टुकड़ी के साथ अचानक सुल्तानों की तरफ हो गए। इस अंदरूनी हमले से विजयनगर सेना में भगदड़ मच गई।

3. कटे सिर में भूसा और तालीकोटा का कसाईखाना:

भगदड़ में राम राय पालकी से गिर पड़े और बंदी बना लिए गए। सुल्तान हुसैन निज़ाम शाह

ने तुरंत अपनी तलवार से राम राय का सिर कलम कर दिया। फ़रिश्ता के अनुसार, कटे सिर की खाल उधेड़कर उसमें 'भूसा' भरा गया और उसे भाले की नोक पर टांगकर पूरे मैदान में घुमाया गया।

राजा का कटा सिर देखते ही विजयनगर की सेना हथियार फेंककर भागने लगी। सुल्तानों की सेना ने 1 लाख से अधिक भागते सैनिकों को गाजर-मूली की तरह काट डाला। नदियों का पानी हफ्तों तक खून से लाल रहा।

4. 5 महीने तक विजयनगर का महाविनाश:

जीत के बाद सुल्तानों की सेना ने बेसहारा हम्पी में प्रवेश किया:

- सामूहिक कत्लेआम: महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बेरहमी से मारा गया; लाखों को गुलाम बनाया गया।
- 5 महीने तक जलता शहर: सोने-चांदी के महलों और बाज़ारों में आग लगा दी गई, जो लगातार 5 महीनों तक जलती रही।
- मूर्तियों का विनाश: मंदिरों के खंभों के पास आग जलाकर, फिर पानी डालकर पत्थरों को चटकाया गया और हथौड़ों से तोड़ा गया। उग्र नरसिम्हा की 22 फुट ऊंची मूर्ति इसी बर्बरता से खंडित की गई।

इतालवी यात्री सीज़र फ्रेडरिक (1567) ने लिखा: "शहर पूरी तरह मृत है। घरों की नंगी दीवारें खड़ी हैं, पर कोई इंसान नहीं बचा। गलियों में केवल जंगली जानवर घूमते हैं।"

The Horrific Historical Saga of the Battle of Talikota

January 23, 1565, remains one of the darkest chapters in Indian history. On this day, the Vijayanagara Empire—one of the wealthiest and most formidable civilizations—was systematically erased from existence. This was not merely a military battle; it was a campaign of unprecedented devastation, betrayal, and genocide.

This account is documented by contemporary Persian historian Muhammad Qasim Ferishta (Tarikh-i-Ferishta), Italian traveler Caesar Frederick (1567), and British historian Robert Sewell (A Forgotten Empire).

1. Background & The Grand Alliance:

By the mid-16th century, Vijayanagara's capital, Hampi, was at the peak of global prosperity. Precious stones and gold were sold in open markets. The empire was governed by the 80-year-old general and regent, Rama Raya.

After years of diplomatic maneuvering by Rama Raya, four rival Deccan Sultanates set aside their differences and formed a Grand Alliance:

- Ahmadnagar: Hussain Nizam Shah I (Leader of the Coalition)
- Bijapur: Ali Adil Shah I (80,000 Cavalry)
- Golconda: Ibrahim Quli Qutb Shah (Artillery and Infantry)
- Bidar: Ali Barid Shah I (Center Line Defense)

On January 23, 1565, the forces clashed near the Krishna River between the villages of Rakkasagi and Tangadigi.

2. Shrapnel Warfare and Internal Betrayal:

Vijayanagara's 500,000-strong army initially dominated the field until two pivotal events reversed the tide:

- Shrapnel Artillery Assault: Ottoman commander Chalabi Rumi Khan chained 600 cannons together and fired bags of copper coins and iron shrapnel, ripping thousands of infantrymen apart.
- Treason of the Gilani Brothers: Two key commanders in the Vijayanagara army (Sarwar Khan and Sanjiv Khan - Gilani Brothers) turned their 50,000 troops against Vijayanagara's own lines, causing mass panic.

3. Execution, Flaying, and Mass Slaughter:

During the chaos, Rama Raya was captured. Sultan Hussain Nizam Shah personally decapitated him. According to Ferishta, the skin of his head was flayed, stuffed with straw, and hoisted on a spear across the field.

Demoralized by the sight of their leader's head, imperial troops fled. The Sultanate forces pursued and slaughtered over 100,000 soldiers within hours. The rivers remained red with blood for days.

4. Five Months of Destruction of Hampi:

The allied forces marched into undefended Hampi:

- Extermination & Slavery: Citizens were killed indiscriminately; tens of thousands were enslaved.
- Five-Month Fire: Palaces and markets were torched; the city burned continuously for five months.
- Destruction of Monuments: Fires were set around solid granite pillars, followed by cold water to crack the stone, which was then shattered

with hammers. The iconic 22-foot Ugra Narasimha statue was mutilated.

Italian traveler Caesar Frederick (1567) wrote: "The city is dead. Only bare walls remain, inhabited now by wild beasts and tigers."

© 2nd Sept. 2026, Govind Malviya (REAL HI STORY). drmalviya0@gmail.com
Archival Indexing: Internet Archive / Digital History Preserved Section.